GOVT. BRENNEN COLLEGE CENTRAL LIBRARY THALASSERY

K15P 0208

Reg. No. : .....

Name : .....

# III Semester M.A./M.Sc./M.Com. Degree (Reg./Sup./Imp.) Examination, November 2015

## HINDI LANG. AND LITERATURE

## (2014 Admn.)

## HIN 3C13 : Modern Hindi Short-Stories

Time: 3 Hours Max. Marks: 80

I. **निर्देश** : 3 प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : (3×2=6)

1) समकालीन कहानियों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए।

2) प्रमुख कहानी आन्दोलनों का उल्लेख कीजिए।

3) हिन्दी के प्रमुख दलित कहानीकारों का नाम लिखिए।

4) साठोत्तरी कहानी का परिचय दीजिए।

5) यशपाल की कहानी की दो विशेषताएँ बताइए।

II. **निर्देश** : 4 प्रश्नों के समीक्षात्मक उत्तर दीजिए (150 शब्द) : (4×5=20)

1) 'उसने कहा था' कहानी के आधार पर हिन्दी कहानी-क्षेत्र में गुलेरी जी का स्थान निर्धारित कीजिए।

2) हिन्दी कहानी-क्षेत्र में प्रेमचन्द का स्थान निर्धारित कीजिए।

3) प्रसाद की कहानी-कला की विशेषताएँ बताइए।

4) नई कहानी का स्वरूप और उसमें निहित संवेदना का उल्लेख कीजिए।

5) आकाशदीप कहानी की शिल्प-पक्ष पर विचार कीजिए।

6) वापसी कहानी की समस्या पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

III. **निर्देश : 3** प्रश्नों पर निबंध लिखिए : **(3×12=36)**

1) नई कहानी की शिल्पगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

2) प्रेमचन्द की कहानी-कला पर विचार कीजिए।

3) हिन्दी कहानी-साहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

4) दो महिला-कहानीकारों की कहानी-कला पर प्रकाश डालिए।

5) 'उसने कहा था' कहानी का सारांश लिखिकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

IV. **3** प्रश्नों पर सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(3×6=18)**

1) कौन जानता था कि दाढ़ीवाले, घरवारी सिख ऐसा लुच्चों का-सा गीत गायेंगे, पर सारी खंदक इस गीत से गूँज उठी और सिपाही फिर ताज़े हो गये, मानो चार दिन से सोते और मौज ही करते रहे हो।

2) ''यदि मैं इसका विश्वास कर सकती ! बुद्धगुप्त, वह दिन कितना सुन्दर होता, वह क्षण कितना स्पृहणीय ! आह ! तुम इस निष्ठुरता में भी कितने महान् होते ?''

3) लतिका को लगा कि जो वह याद करती है, वही भूलना भी चाहती है, लेकिन जब सचमुच भूलने लगती है, तब उसे भय लगता है कि जैसे कोई उसकी किसी चीज़ को उसके हाथों से छीन लिए जा रहा है, ऐसा कुछ जो सदा के लिए खो जाएगा।

4) उसके हाथ शरीर के अनुपात से बहुत बड़े, डरावने और भयानक हो गए , उनमें लम्बे-लम्बे नाखून निकल आए ....वह राक्षस हुआ, दैत्य हुआ.....आदिम बर्बर।

5) आसपास के घरों की खिड़कियाँ तब बंद हो गई थीं। जो लोग इस दृश्य के साक्षी थे, उन्होंने दरवाज़े बंद करके अपने को इस घटना के उत्तरदायित्व से मुक्त कर लिया था।

---